आंधी और पानी भी कम नहीं कर पाया प्रकटोत्सव का जोश

शाजापुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग व्यवसायी का प्रकट उत्सव रविवार को स्थानीय छत्रपति शिवाजी स्टेडियम ग्राउंड में भव्य एवं अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुआ. आंधी और पानी भी प्रकटोत्सव के जोश को कम नहीं कर पाया. प्रकट उत्सव में शिक्षार्थियों द्वारा प्रस्तुत विगत 15 दिनों में सीखे विभिन्न शारीरिक एवं घोष कार्यक्रमों ने जहां उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया. वहीं समाज द्वारा ईंधन बचत एवं सामूहिक परिवहन के प्रति दिखाई गई जागरुकता भी कार्यक्रम की विशेष पहचान बनी.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामाजिक चिंतक गोवर्धनलाल गुवाटिया तथा मुख्य वक्ता अशोक अग्रवाल मध्य क्षेत्र कार्यवाह थे. भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. प्रकट उत्सव में शिक्षार्थियों ने पूर्ण गणवेश में योग, दंड योग, समता, आसन, व्यायाम तथा विभिन्न शारीरिक रचनाओं का प्रभावी प्रदर्शन किया. वर्ग की विभिन्न

वाहिनियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों में अनुशासन, सामूहिकता और दक्षता का उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिला. शिक्षार्थियों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक गीत ने राष्ट्रभक्ति एवं संगठन भावना का वातावरण निर्मित किया. कार्यक्रम का विशेष आकर्षण घोष दल रहा. घोष वादन के साथ निर्मित विविध चालित आकृतियों ने उपस्थित नागरिकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. घोष दल की सुसंगठित प्रस्तुति ने संघ के प्रशिक्षण और सामूहिक कार्यपद्धति का प्रभावी परिचय कराया. वर्ग कार्यवाह राधेश्याम पाटीदार ने 15 दिवसीय वर्ग का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में मंच पर वर्ग सर्वाधिकारी प्रवीण सैनी और जिला संघ चालक हुकम धनगर उपस्थित थे. प्रकट उत्सव में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, मातृशक्ति, प्रबुद्धजन एवं नगरवासी उपस्थित रहे.

ईंधन बचत और सार्वजनिक परिवहन का प्रेरक संदेश

प्रकट उत्सव की एक महत्वपूर्ण विशेषता समाज द्वारा ईंधन संरक्षण एवं सार्वजनिक परिवहन के संदेश को आत्मसात करना रही. संघ द्वारा कार्यक्रम के पूर्व समाज से आग्रह किया गया था कि अधिकाधिक लोग निजी वाहनों के स्थान पर सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें तथा अनावश्यक ईंधन की खपत को कम करें. इस आह्वान का व्यापक प्रभाव देखने को मिला. जिले एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक बसों एवं अन्य सार्वजनिक साधनों से कार्यक्रम में पहुंचे. अनेक गांवों के लोगों ने समूह बनाकर एक ही वाहन से यात्रा की. वहीं नगर के विभिन्न क्षेत्रों से भी स्वयंसेवक, परिवारजन और नागरिक निजी वाहनों की अपेक्षा पैदल अथवा सार्वजनिक रूप से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे.

संघ कर रहा संस्कारों का बीजारोपण

मुख्य वक्ता अशोक अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना काल से ही समाज को संगठित करने और व्यक्ति निर्माण का कार्य कर रहा है. संघ का उद्देश्य केवल संगठन खड़ा करना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर संस्कार, चरित्र और राष्ट्रभक्ति का भाव जागृत करना है. उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति संस्कारित होगा तो परिवार, समाज और राष्ट्र भी सशक्त बनेंगे. अग्रवाल ने कहा कि संघ शाखा के माध्यम से प्रत्येक स्वयंसेवक में अनुशासन, सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व के संस्कारों का बीजारोपण करता है. समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिकों का निर्माण ही संघ का प्रमुख कार्य है. उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक के मन में समाजभक्ति और देशभक्ति का भाव जागृत होना चाहिए, क्योंकि यही राष्ट्र की प्रगति का आधार है. उन्होंने कहा कि भारत की गौरवशाली परंपरा, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत ने सदियों तक विश्व का मार्गदर्शन किया है. भारत को अपनी सांस्कृतिक शक्तिए आध्यात्मिक मूल्यों और जीवन दर्शन के आधार पर विश्व में पुनः अग्रणी भूमिका निभानी होगी.

राष्ट्र भक्ति और समरसता के लिए काम कर रहा है संघ

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोवर्धन लाल ने अपने संबोधन में कहा कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर सभी को शुभकामनाएं संघ स्थापना के समय से ही राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता के लिए कार्य कर रहा है. मुझे विश्वास है कि संघ समाज में फैली वैमनस्यता को समाप्त कर समरस भारत का निर्माण करेगा. इसके लिए सभी को एक होना होगा।

11.60 लाख रुपए का अवैध मादक पदार्थ और वाहन जब्त

बड़ौद पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

पुलिस देखकर फरार हए तस्कर

आगर-मालवा। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक आगर मालवा दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी आगर मोतीलाल कुशवाहा के मार्गदर्शन में लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है. उक्त अभियान के अंतर्गत थाना बड़ौद पुलिस द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए भारी मात्रा में अवैध डोडाचूरा जब्त करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है.

रविवार को थाना बड़ौद पुलिस की टीम नियमित प्रभात गश्त एवं वाहन चैकिंग के दौरान गरोठ हाईवे स्थित लक्ष्मी ढाबा क्षेत्र में मौजूद थी. इसी दौरान गरोठ की ओर से एक सिल्वर रंग की बिना नंबर प्लेट स्विफ्ट कार एवं एक मोटरसाइकिल संदिग्ध अवस्था में आती दिखाई दी. पुलिस द्वारा दोनों वाहनों को रोकने का प्रयास किया गया, किन्तु वाहन चालक पुलिस को देखकर तेज गति से वाहन भगाकर मौके से भाग निकले. संदिग्ध गतिविधि होने पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल उनका पीछा किया गया. पीछा करते हुए दोनों वाहन ग्राम गुराड़िया स्थित गौशाला के पीछे खेतों एवं कच्चे रास्तों की ओर पहुंचे. जहां पुलिस की लगातार घेराबंदी एवं दबाव के चलते आरोपी वाहन छोड़कर अंधेरे एवं खेतों का लाभ उठाते हुए फरार हो गए. मौके पर एक सिल्वर रंग की स्विफ्ट कार नाले में फंसी हुई तथा हीरो एचएफडीलक्स मोटरसाइकिल 0623 खेत की मेड़ पर लावारिस अवस्था में खड़ी मिली. पुलिस द्वारा दोनों वाहनों की विधिवत तलाशी लेने पर मोटरसाइकिल पर बंधे दो बोरों तथा स्विफ्ट कार के अंदर रखे तीन बोरों में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरा होना पाया गया. बरामद पदार्थ का नियमानुसार तौल कराया गया, जिसमें 102.250 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा पाया गया. पुलिस द्वारा मौके पर वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए मादक पदार्थ, वाहन एवं अन्य सामग्री जप्त की गई.

मोबाइल भी मिला...

घटनास्थल की बारीकी से तलाशी लेने के दौरान एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ. प्रारंभिक जांच एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर एक संदिग्ध व्यक्ति के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है. फरार आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु विशेष टीम गठित कर संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है. प्रकरण की विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा घटनास्थल से बरामद मोबाइल फोन का तकनीकी विश्लेषण किया गया. जांच के दौरान मोबाइल फोन के माध्यम से महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त हुए, जिसके आधार पर एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की गई. तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेही राजेन्द्रसिंह पिता दिलीपसिंह सौंधिया उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम रामाखेड़ी थाना बड़ौद, हाल मुकाम आलोट रोड बड़ौद की तलाश कर उसे अभिरक्षा में लिया गया. पूछताछ के दौरान उससे प्राप्त जानकारी एवं मोबाइल संपर्क संबंधी तथ्यों के आधार पर प्रकरण में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं. पुलिस द्वारा आरोपी राजेन्द्रसिंह को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की गई है. वहीं प्रकरण में शामिल अन्य फरार आरोपियों की पहचान, तलाश एवं गिरफ्तारी हेतु पुलिस की विशेष टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं तथा तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर विवेचना जारी है. आरोपी से उक्त अवैध मादक पदार्थ के परिवहन, भंडारण और विक्रय के सम्बन्ध में भी पूछताछ की जा रही है.

फरार आरोपियों की तलाश जारी...

उक्त प्रकरण में थाना बड़ौद पर एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई है. फरार आरोपियों की तलाश एवं गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. पुलिस को विश्वास है कि आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर प्रकरण का पूर्ण खुलासा किया जाएगा. उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बड़ौद निरीक्षक रूप सिंह बैस, उप निरीक्षक विजय शुक्ला, प्रआर प्रवीण यादव, हेमंत, अर्जुन, उपेंद्र गुर्जर, दिलीप भाटी, रामसेवक मीणा, आरक्षक श्रीपाल, पोप सिंह, गोवर्धन दांगी, शुभम जोशी तथा थाना बड़ौद पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही. पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस टीम के उत्कृष्ट कार्य की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं संगठित अपराधों के विरुद्ध इसी प्रकार प्रभावी कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं.

श्रवण कुमारों का जिला : जो रेडियो-टीवी को कंधे पर उठाए बैठे हैं...

पोलिटिकल इनसाइड
मनोज पुरोहित

अद्भुत, अकल्पनीय, अविश्वसनीय! जब पूरा देश तरक्की की अंधी दौड़ में भाग रहा है. जीडीपी और रोजगार के आंकड़ों में सिर खपा रहा है, तब हमारे शाजापुर ने दुनिया को सस्टेनेबल आलस्य और महा फुर्सत का एक नया ग्लोबल मॉडल दे दिया है. नेता और जनता की ऐसी दिव्य जुगलबंदी सदियों में एकाध बार ही देखने को मिलती है, जहां दोनों ने मिलकर संकल्प लिया कि हम कुछ नहीं करेंगे, बस सुनेंगे! और इसी सामूहिक मौन व्रत और परम फुर्सत का नतीजा है कि शाजापुर मन की बात सुनने में पूरे मध्य प्रदेश में कई महीनों से अव्वल आ रहा है. इस ऐतिहासिक रिकॉर्ड के पीछे शाजापुर के नेताओं की घोर तपस्या और कार्यकर्ता की परम सहनशीलता का एक गुप्त समझौता है. नेताओं ने बरसों मेहनत करके जिले को विकास के झंझटों से दूर रखा. हमारे दूरदर्शी नेताओं को पता था कि अगर शाजापुर में फैक्ट्रियां खुल गईं, नए स्टार्टअप आ गए या युवाओं को नौकरियां मिल गईं, तो वे संडे को भी टारगेट और डेडलाइन पूरा करने में व्यस्त हो जाएंगे. फिर प्रधानमंत्री के मन की बात के लिए कीमती 30 मिनट कौन निकालेगा. इसलिए नेताओं ने जिले को विकास मुक्त और फुर्सत युक्त बनाए रखने में अपनी पूरी राजनीतिक ताकत झोंक दी. जनता भी धन्य है! उसने नेताओं से न कभी रोजगार मांगा, न अच्छे अस्पताल मांगे, न ही सड़कों के गड्ढे भरने की जिद की. जनता ने कहा नेताजी, आप हमें बेरोजगार और फुर्सत में रखो, हम आपको वोट देंगे और संडे को बैठकर रेडियो सुनेंगे. शाजापुर के कार्यकर्ताओं का नारा है काम-धंधा तो कायर करते हैं, शूरवीर तो सिर्फ मन की बात सुनते हैं! शाजापुर ने साबित कर दिया है कि वह कलयुग के श्रवण कुमारों का जिला है. फर्क सिर्फ इतना है कि त्रेतायुग के श्रवण कुमार माता-पिता को कंधे पर उठाते थे और शाजापुर के श्रवण कुमार कान पर रेडियो उठाए बैठे हैं. मन की बात में तीन तस्वीरें दिखाई देती है. एक स्थानीय नेता, जो सुबह से कुर्ता-पायजामा कड़क करवाकर बैठते हैं, ताकि फोटो में सच्चा देशभक्त दिखा जा सके. बिना एक भी शब्द समझे, सबसे ज्यादा बार सिर हिलाने का रिकॉर्ड इन्हीं के नाम है. दूसरे बेरोजगार युवा जो व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से छुट्टी लेकर सीधे रेडियो-टीवी के सामने पलथी मारकर बैठ जाते हैं. अगले संडे भी कुछ काम नहीं है का सुखद अहसास इन्हें खूब भाता है. तीसरा प्रशासन जो पूरे अमले को श्रोता बनाने में झोंक देता है. हालांकि फाइलों पर धूल जमने की इनकी रफ्तार नंबर वन है. बधाई हो शाजापुर को इस बार भी मन की बात में अव्वल आने की.

परीक्षा हो चुकी, कक्षाएं लग चुकी और लोकार्पण अब हुआ

सीएम राइज से सांदीपनि बनने तक के सफर में कक्षाएं लग चुकी, बच्चे पास होकर दूसरी कक्षा में पहुंच गए, एक साल तक भवन का भरपूर उपयोग कर लिया. परीक्षा हो चुकी, परिणाम घोषित हो चुके, लेकिन अब सांदीपनि विद्यालय को खुद के लोकार्पण का सौभाग्य प्राप्त हुआ. अगर लोकार्पण आज होना था, तो फिर स्कूल को संचालित ही क्यों किया. क्या उम्मीद नहीं थी कि इस विद्यालय का लोकार्पण होगा.

राजनीति का अर्श और फर्श

राजनीति में कौन कब अर्श पर चला जाए और कौन कब फर्श पर आ जाए कह नहीं सकते हैं. एक समय था जब श्याम टेलर को मुख्यमंत्री के मंच पर जगह नहीं मिलती थी, लेकिन आज एक समय यह भी है कि मुख्यमंत्री खुद श्याम को दीप प्रज्जवल के लिए बुला रहे हैं. इसलिए कहा जाता है कि राजनीति में कौन कब किस ऊंचाई पर पहुंच जाए, कह नहीं सकते हैं. कल तक जिले की राजनीति में श्याम टेलर फर्श पर थे, लेकिन आज प्रदेश की राजनीति में वे अर्श पर पहुंच गए हैं.

अंत में...

राजनीति के फूफाओं की महफिल लगी थी, तुम वक्त पर आ जाना, क्योंकि आज मेहमान-ए-खास हो आप.

समान नागरिक संहिता पर आयोजित बैठक में लोगों ने दिए सुझाव

आगर-मालवा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता यूसीसी के अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति की जनपरामर्श बैठक रविवार को स्थानीय सामुदायिक भवन में आयोजित की गई. बैठक का उद्देश्य समान नागरिक संहिता के संबंध में जनमानस, सामाजिक संगठनों, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव प्राप्त करना था.

बैठक में उच्च स्तरीय समिति के सदस्य एवं शिक्षाविद् प्रो. गोपाल शर्मा ने समान नागरिक संहिता की अवधारणा, उसके उद्देश्य तथा जनपरामर्श की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनभागीदारी एवं संवाद का महत्वपूर्ण स्थान है. समिति प्रदेशभर से विभिन्न वर्गों एवं समुदायों के सुझाव प्राप्त कर उनका अध्ययन करेगी तथा प्राप्त सुझावों के आधार पर अपनी अनुशंसाएं राज्य शासन को प्रस्तुत करेगी. उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा एवं विचार-विमर्श के माध्यम से समाज के सभी वर्गों की राय प्राप्त की जा रही है. उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण, महिलाओं के अधिकार, पारिवारिक कानूनों में समानता तथा सामाजिक न्याय जैसे विषयों पर प्राप्त सुझावों को समिति गंभीरता से विचारार्थ शामिल करेगी. जनपरामर्श सत्र के दौरान पूर्व विधायक रेखा रत्नाकर, संतोष जोशी, रामेश्वर तेजरा, काजी वसीउद्दीन, चिंतामणि राठौर, संजय स्वर्णकार, आभा चोपड़ा, कैलाश काका, चंद्रशेखर दुबे, गजेंद्र शर्मा, सुंदर शर्मा, ब्रह्माकुमारी किरण दीदी, मनीष सोलंकी, समीउल्ला खान, शैलेंद्र जैन, डॉ. पंकज अटल, गौरव शर्मा एवं मनोज जैन सहित अनेक वक्ताओं ने समान नागरिक संहिता के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए. वक्ताओं ने सामाजिक समरसता, महिला अधिकारों, पारिवारिक कानूनों में समानताए संवैधानिक मूल्यों तथा विभिन्न समुदायों की परंपराओं के संरक्षण जैसे विषयों पर अपने मत व्यक्त किए. बैठक में बताया गया कि जनपरामर्श हेतु राज्य शासन द्वारा एक विशेष पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक अपने सुझाव ऑनलाइन भी प्रस्तुत कर सकते हैं.

सुझाव प्राप्त करने की अवधि 22 मई से 15 जून 2026 तक निर्धारित की गई है. जिले के नागरिक निर्धारित अवधि में पोर्टल के माध्यम से समान नागरिक संहिता पर अपने सुझाव एवं परामर्श दर्ज करा सकते हैं. बैठक में पूर्व विधायक मुरलीधर पाटीदार, भेरूसिंह चौहान, दिनेश परमार, अशोक प्रजापत, मीना स्वर्णकार, सुरेश शर्मा, रउफ मुल्तानी, अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी, संयुक्त आयुक्त शैली कनास, अपर कलेक्टर आरपी वर्मा, एसडीएम मिलिंद ढोके, एसडीएम सुसनेर किरण बरबड़े, एसडीओपी मोतीलाल कुशवाह, डिप्टी कलेक्टर कमल मंडलोई, प्रेम नारायण परमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पत्रकारगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे.

कार्यक्रम का संचालन शरद बंसिया द्वारा किया गया. अंत में एसडीएम मिलिंद ढोके ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, पत्रकार बंधुओं एवं नागरिकों का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि प्राप्त सुझावों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगाए जिससे जनभावनाओं के अनुरूप व्यापक एवं समावेशी विचार-विमर्श सुनिश्चित किया जा सके.

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर किशोरियों को किया जागरूक

शुजालपुर। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य में आंगनवाड़ी केंद्र वार्ड 23 में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किशोरी बालिकाओं ने भाग लेकर माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं. कार्यक्रम में उमंग स्वास्थ्य केंद्र की अरुणा परमार ने किशोरियों को माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, सुरक्षित सैनिटरी पैड के उपयोग, व्यक्तिगत साफ-सफाई, संतुलित एवं पौष्टिक आहार तथा माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने कहा कि माहवारी कोई बीमारी या शर्म का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रकृति की एक सामान्य एवं प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे सकारात्मक दृष्टिकोण से समझने की आवश्यकता है. ज्योति कुशवाहा ने सभी किशोरियों का कुमकुम लगाकर स्वागत किया.

एक नजर में — साढ़े 4 घंटे की मशक्कत और 2 लाख लीटर पानी से पाया काबू, एमआईजी लिंक रोड पर बीती रात हुई घटना, लाखों का नुकसान

देखते ही देखते आग ने 6 गोदामों को ले लिया चपेट में

इंदौर. एमआईजी लिंक रोड पर बीती रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब वहां कतार से बने करीब छह व्यावसायिक गोदामों में अचानक भीषण आग लग गई. देखते ही देखते लपटों ने टेंट हाउस, टायर और प्लाइवुड के कुल छह गोदामों को अपनी चपेट में ले लिया. आसमान में उठते धुएं के गुबार और आग की भयावहता को देखकर पास ही स्थित रिहायशी बस्ती के लोग दहशत में आ गए. रहवासियों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी.

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और एमआईजी थाने का गश्ती दल मौके पर पहुंचा. दमकल कर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए सबसे पहले आग को बस्ती की तरफ बढ़ने से रोका और करीब साढ़े चार घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद हालात पर काबू पाया. राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये का सामान

जलकर खाक हो गया. फायर ब्रिगेड को बीती रात करीब तीन बजे लिंक रोड पर स्थित गोदामों में आग लगने की पहली सूचना मिली थी. इस पर गांधी हॉल फायर स्टेशन से एएसआई सुशील कुमार दुबे के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई बल को मौके के लिए रवाना किया गया.

चूंकि आग टेंट के सामान, सोफे के फोम और टायरों में लगी थी, इसलिए लपटें तेजी से फैलती गईं. आग बुझाने के लिए दमकल विभाग को 3 मुख्य गाड़ियों के साथ ही 6 पानी के टैंकरों को मोर्चे पर लगाना पड़ा. करीब 2 लाख लीटर से अधिक पानी की बौछारें करने के बाद सुबह पौने 8 बजे तक आग को पूरी तरह से शांत किया जा सका. प्राथमिक तौर पर अंदेशा जताया जा रहा है कि बिजली के खंभे या तारों में हुए शॉर्ट सर्किट की वजह से यह हादसा हुआ है, हालांकि पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है.

दमकल कर्मियों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया

फायर ब्रिगेड के अनुसार, जिस जगह यह आग भड़की, उससे बिल्कुल सटकर एक घनी बस्ती बसी हुई है. आधी रात को जब लोगों ने खिड़कियों से आग की ऊंची लपटें देखीं, तो इलाके में चीख-पुकार मच गई और लोग घरों से बाहर निकल आए. एएसआई दुबे के मुताबिक, टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती आग को इस रिहायशी इलाके में घुसने से रोकने की थी. दमकल कर्मियों ने मोर्चा संभालकर सबसे पहले कट-ऑफ पॉइंट बनाया, जिससे आग बस्ती की तरफ नहीं फैल पाई और एक बड़ा हादसा टल गया.

किराए पर लिए गोदामों में भरा था लाखों का सामान

जिस जमीन पर ये गोदाम और कारखाने संचालित हो रहे थे, उसके मालिक शब्बीर भाई हैं, जिन्होंने इसे अलग-अलग व्यापारियों को किराए पर दे रखा था. इस अग्निकांड में राहुल भंडारी के टेंट हाउस का पूरा सामान, मेहमूद के नए और पुराने टायरों का गोदाम, इरफान अली का सोफा बनाने का कारखाना और प्रशांत का प्लाइवुड का कीमती स्टॉक पूरी तरह जलकर स्वाहा हो गया. इस हादसे में लाखों के नुकसान का अंदेशा है, आंकलन किया जा रहा है.